Date: 30/10/25

MJC-5

Topic — राजनीतिक समाजशास्त्र और समाजशास्त्र का संबंध

→ राजनीतिक समाजशास्त्र और समाजशास्त्र का संबंध पारस्परिक निर्भरता के सिद्धान्त पर आधारित है। राजनीतिक समाजशास्त्र ने सामाजिक संरचनाओं तथा सामाजिक प्रक्रियाओं का अध्ययन करने के लिए समाजशास्त्र से तथ्य एवं आधार ग्रहण किया है। उसी प्रकार समाज पर पड़नेवाले राजनीति के प्रभावों का अध्ययन करने के लिए समाजशास्त्र राजनीतिक समाजशास्त्र से सहायता लेता है। समाजशास्त्र राजनीतिक समाजशास्त्र के आनुभविक विश्लेषण तथा उस पर आधारित सिद्धांतों का लाभ उठाता है।

→ राजनीतिक समाजशास्त्र और समाजशास्त्र दोनों अपने अध्ययन और विश्लेषण के लिए एक ही प्रकार के उपागम और पद्धतियों को अपनाते हैं। इस संदर्भ में राजनीतिक समाजशास्त्र समाजशास्त्र का ऋणी है।

→ राजनीतिक समाजशास्त्र और समाजशास्त्र दोनों का स्वरूप आदर्शमूलक और वस्तुपरक है दोनों ही वैज्ञानिक और आनुभविक अध्ययनों को आधार बनाने के बावजूद न तो राजनीतिक समाजशास्त्र और न ही समाजशास्त्र मूल्यों और मान्यताओं से पूर्णतया मुक्त हो पाया है।

→ लिपसेट के अनुसार राजनीतिशास्त्र राज्य से प्रारम्भ करता है और इस बात का पता लगाने का प्रयास करता है कि राज्य समाज को किस प्रकार प्रभावित करता है। इसके विपरीत राजनीतिक समाजशास्त्र का प्रारंभ बिन्दु समाज है और इसका लक्ष्य इस तथ्य को पता लगाना है कि समाज राज्य और राजनीति को किस प्रकार प्रभावित करता है। लिपसेट ने राजनीतिक समाजशास्त्र को समाजशास्त्र की एक उपशाखा के रूप में ही समझने का संकेत दिया है।

PDF by
Dr. Nitish Venkatan
Socio1084